E-Gyan

अंक – एकसौ इकहत्तरवाँ Volume - 171

31 August 2023, Thursday

Monthly Digital News Letter of Maharishi Organisations - India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

महर्षि संवत्सर 107 विक्रम संवत्सर 2080, श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, गुरुवार, 31 अगस्त 2023

• E-mail - cpr@mssmail.org and egyanmonthly@gmail.com • Web site - www.e-gyan.net

Happy 77 th Independence Day

परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में ब्रह्मचारी गिरीश जी की प्रबुद्धता यात्रा का स्वर्ण जयंती दशक में प्रवेश का समारोह एवं महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान का प्रारंभ

भारत के महान संत एवं विश्व के महानतम् चेतना वैज्ञानिक परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी की प्रबुद्धता यात्रा का स्वर्ण जयंती दशक में प्रवेश का समारोह एवं उनका जन्म उत्सव दिनांक 25 अगस्त 2023 को स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती आश्रम, भोपाल में स्थित 'महर्षि उत्सव भवन' में अत्यंत गरिमापूर्ण उत्साह के साथ मनाया गया।

सैकड़ों शुभचिंतकों ने जब उन्हें पुष्पों के साथ बधाइयां दीं तो कार्यक्रम अत्यंत आकर्षक हो उठा। ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि "आज का दिन हमारे लिए अत्यंत शुभ मंगल है, क्योंकि आज प्रातः ही अनंतश्रीविभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज, शंकराचार्य बद्रिकाश्रम हिमालय एवं अन्य संतों की शुभकानाएं हमें मिलीं। गुरुदेव की इच्छा अनुरूप हमने आज का दिवस भारत के महान संत एवं विश्व के महानतम् चेतना वैज्ञानिक परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दैवीय छत्रछाया में हमारी प्रबुद्धता यात्रा का स्वर्ण जयंती दशक में प्रवेश का उत्सव मनाने का निर्णय लिया।"

ब्रह्मचारी जी ने बताया कि ''परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी सदैव नई कार्य योजनाओं का संदर्भ प्रत्येक उत्सव में दिया करते थे। वह सदैव कहा करते थे कि जिस दिन किसी व्यक्ति विशेष का जन्मदिन होता है, उसके तीन दिन पूर्व एवं तीन दिन बाद तक उसकी चेतना में उत्सव एवं हर्ष का वास रहता है। इसलिए इन दिनों लिया गया संकल्प जल्द साकार रूप लेता है।''

ब्रह्मचारी जी ने आगे बताया कि ''सितंबर 1983 से लेकर अब तक निरंतर महर्षि जी के श्री चरणों में 40 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। इसलिए आज हम सब लोग मिलकर स्वर्ण जयंती के दशक में प्रवेश का उत्सव मना रहे हैं, जो 50 वें वर्ष में पूर्ण होगा।''

इस अवसर पर ब्रह्मचारी जी ने ''महर्षि आध्यात्मिक जन जागरण अभियान'' कार्यक्रम का शुभारंभ करने की भी घोषणा की। इस कार्यक्रम में वर्तमान में 500 महिला एवं 500 पुरुष शिक्षकों को तैयार किया जाएगा जो कि संपूर्ण देश में, श्रीमद्भगवदगीता एवं श्री रामचरितमानस के शुद्ध एवं सस्वर

पाठ सिखाने सहित विभिन्न देवी देवताओं के स्तोत्र एवं सहस्त्रनामों के पठन–पाठन का व्यापक प्रचार–प्रसार करेंगे। उन्होंने बताया कि ''महर्षि जी ने 1957 में सबसे पहली संस्था 'महर्षि आध्यात्मिक पुनुर्त्थान आंदोलन" शुरू किया था, उसी को हम आगे बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने आवाहन किया कि आप कोई किसी भी कार्य कर रहे हों, प्रतिदिन इसके लिए एक घंटे का समय अवश्य निकालें और इससे अंशकालिक रूप से जुड़ें।

इस अवसर पर महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर भुवनेश शर्मा ने कहा कि "ब्रह्मचारी गिरीश जी के संकल्प महर्षि जी के संकल्प ही हैं जो वे पूरा कर रहे हैं। आज यह अत्यंत सुखद दिन है कि इसी दिन ब्रह्मचारी गिरीश जी ने परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी से दीक्षा ली थी। इसलिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। हम सब का भी यह कर्तव्य है कि हम ब्रह्मचारी गिरीश जी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलें।"

इस अवसर पर महर्षि प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति डॉ. टी.पी.एस. कांद्रा ने समस्त विश्वविद्यालय परिवार की ओर से ब्रह्मचारी गिरीश जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ''ब्रह्मचारी गिरीश जी से जो सीखने को मिला है वह विगत 50 वर्षों में कहीं भी नहीं मिला। ब्रह्मचारी गिरीश जी के निर्देशन में निरंतर प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बिलासपुर अपनी प्रगति यात्रा को आगे बढ़ा रहा है।''

इसके पश्चात महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के पांच बच्चों के समूह द्वारा श्रीमद्भगवदगीता के श्लोकों का वाचन किया गया। तत्पश्चात महर्षि विद्या मंदिर रतनपुर के छात्रों द्वारा महर्षि जी एवं ब्रह्मचारी गिरीश जी की विभिन्न भाव भंगिमाओं एवं जीवन के विभिन्न पड़ावों को आकर्षक वेशभूषा में नाटक का मंचन चित्रों के साथ प्रस्तुत किया गया जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा ।

इसके पश्चात बांसुरी वादन एवं भजन संध्या का कार्यक्रम सम्पादित हुआ। कार्यक्रम में पंडित पारसनाथ द्वारा बांसुरी वादन की आकर्षक प्रस्तुति दी गई जिसमें उनके साथी कलाकारों ने अपनी संगत प्रदान की। बांसुरी वादन के इस कार्यक्रम के दौरान महर्षि उत्सव भवन में उपस्थित समस्त लोगों ने भाव विभोर होकर तालियां बजाईं। इसके पश्चात सुश्री सुमना चक्रवर्ती द्वारा भजन संध्या की शानदार प्रस्तुति दी गई। एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति ने संपूर्ण महर्षि उत्सव भवन में उत्सव का वातावरण निर्मित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया।

कार्यक्रम के अंत में महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के निदेशक (संचार एवं जनसंपर्क) व्ही. आर. खरे ने सभी का आभार प्रदर्शन किया।

ब्रह्मचारी गिरीश, अध्यक्ष
महर्षि विश्व शांति आंदोलन

कलयुग में देवता और असुर एक ही शरीर में रहते हैं अतः अपने देवता को जगाइये, यह देवता कौन है जो हमारे भीतर हैं। यह हमारी चेतना ही है। अतः हमें सदैव हमारी चेतना को जागृत करने का प्रयास करना चाहिये और चेतना को जागृत करने के लिये योग का सहारा लेना होगा। योग की ऐसी अद्भुत शक्ति है कि बहुत थोड़ी मात्रा में भी उसका अभ्यास करने पर उसका बहुत अधिक फल प्राप्त होता है। इससे किसी का अनिष्ट नहीं होता, वरन् इससे सबका उपकार ही होता है। पहले तो इससे अनावश्यक उत्तेजना शांत हो जाएगी, मन शांत भाव धारण करेगा और समस्त विषयों को स्पष्ट रूप से देखने-समझने की शक्ति आएगी। योगाभ्यास करने से जो चिह्न योगियों में प्रकट होते हैं, देह की स्वस्थता उनमें प्रथम है। इससे स्वर भी मधुर हो जाएगा और स्वर में जो कुछ दोष है, सब निकल जाएगा।

देह से आसक्ति कैसी?

एक देवता और एक असुर किसी महापुरुष के पास आत्म–जिज्ञासु होकर पहुँचे। महापुरुष के पास लंबे समय तक रहकर उन्होंने शिक्षा प्राप्त की। फिर एक दिन महापुरुष ने उनसे कहा, 'तुम लोग जिसको खोज रहे हो, वह तो तुम्हीं हो।' दोनों ने सोचा, 'तो देह ही आत्मा है।' फिर यह सोचकर कि जो कुछ मिलना था, मिल गया, दोनों संतुष्ट चित्त से अपनी–अपनी जगह प्रस्थान कर गए। अपने–अपने आत्मीय जनों के बीच उन्होंने कहा, 'जो कुछ सीखना था, सब सीख आए। अब आओ, भोजन, पान और आनंद में दिन बिताएँ, हम ही आत्मा हैं, इसके सिवा और कहीं कोई वस्तु नहीं।' असुर का स्वभाव अज्ञान से ढका हुआ था, इसलिए इस विषय में उसने आगे अन्वेषण नहीं किया। अपने को ईश्वर समझकर वह पूर्ण संतुष्ट हो गया; उसने 'आत्मा' शब्द से देह समझा। परंतु देवता का स्वभाव अपेक्षाकृत पवित्र था। वह भी पहले इस भ्रम में पड़े कि यह देह ही ब्रह्म है, इसलिए इसे स्वस्थ व सबल रखना, सुंदर वस्त्रादि पहनना और सब प्रकार के दैहिक सुखों का भोग करना ही कर्तव्य है। परंतु कुछ दिनों बाद उन्हें यह बोध होने लगा कि गुरु के उपदेश का अर्थ यह नहीं हो सकता कि देह ही आत्मा है; वरन इससे भी श्रेष्ठ कुछ अवश्य है। उन्होंने गुरु के निकट आकर पूछा, 'आपके वाक्य का क्या यह तात्पर्य है कि देह ही आत्मा है? परंतु यह कैसे हो सकता है? सभी शरीर नष्ट होते हैं, पर आत्मा तो अविनाशी है।' आचार्य ने कहा, 'तुम स्वयं इसका निर्णय करो, तुम वही हो–तत्वमसि।' देवता ने सोचा, शरीर में क्रियाशील जो प्राण हैं, शायद उनको लक्ष्य करके गुरु जी ने पूर्वोक्त उपदेश दिया था। वह वापस चले गए। परंतु शीघ्र ही देखा कि भोजन करने पर प्राण तेजस्वी रहते हैं और न करने पर मुरझाने लगते हैं। वह पुनः गुरु के पास आए और कहा, 'गुरुदेव, आपने क्या प्राणों को आत्मा कहा है?' गुरु ने फिर दोहराया, 'स्वयं इसका निर्णय करो, तुम वही हो।' शिष्य देवता ने सोचा, 'तो शायद मन ही आत्मा हो।' किंतु वह शीघ्र ही समझ गए कि मन इतना परिवर्तनशील है कि वह कभी आत्मा नहीं हो सकता। वह पुनः गुरु के पास पहुँचे, 'मन आत्मा है, ऐसा तो मुझे नहीं जान पड़ता। आपने क्या ऐसा ही उपदेश दिया है?' गुरु ने कहा, 'तुम्हीं वह हो, तुम स्वयं इसका निर्णय करो।' देव फिर लौट गए, तब उनको यह ज्ञान हुआ, 'मैं

समस्त मनोवृत्तियों से परे एकमेवाद्वितीय आत्मा हूँ। मेरा जन्म नहीं, मेरी मृत्यु नहीं। मैं अनादि हूँ। आत्मा शरीर या मन नहीं, वह तो इन सबसे परे है।' इस प्रकार वह देवता तो ज्ञानप्रसूत आनंद से तृप्त हो गए, पर उस असुर को सत्य–लाभ नहीं हुआ, क्योंकि उसकी देह में आसक्ति थी। कलयुग में देवता और असुर एक ही शरीर में रहते हैं। अतः अपने देवता को जगाइये, यह देवता कौन हैं जो हमारे भीतर हैं। यह हमारी चेतना ही है। अतः हमें सदैव हमारी चेतना को जागृत करने का प्रयास करना चाहिये और चेतना को जागृत करने के लिये योग का सहारा लेना होगा। योग की शक्ति ऐसी अद्भुत है कि बहुत थोड़ी मात्रा में भी उसका अभ्यास करने पर उसका बहुत अधिक फल प्राप्त होता है। इससे किसी का अनिष्ट नहीं होता, वरन् इससे सबका उपकार ही होता है। पहले तो इससे अनावश्यक उत्तेजना शांत हो जाएगी, मन शांत भाव धारण करेगा और समस्त विषयों को स्पष्ट रूप से देखने–समझने की शक्ति आएगी। योगाभ्यास करने से जो चिह्न योगियों में प्रकट होते हैं, देह की स्वस्थता उनमें प्रथम है। इससे स्वर भी मधुर हो जाएगा और स्वर में जो कुछ दोष है, सब निकल जाएगा। जो लोग बहुत अधिक साधना करते हैं, उनमें और भी दूसरे लक्षण प्रकट होते हैं। मन को एकाग्र करना आरंभ करने पर पायेंगे कि एक सामान्य पिन गिरने पर भी ऐसा मालूम होगा मानो मस्तिष्क से वज्र पार हो गया। इंद्रिय तंत्र जितने सूक्ष्म होते जाते हैं, अनुभूति भी उतनी ही सूक्ष्म होती जाती है। इसलिए शुक्ति (सीप) के समान बनो! भारतवर्ष में एक सुंदर किंवदंती प्रचलित है। वह यह है कि आकाश में स्वाति नक्षत्र के तुंगस्थ रहते यदि पानी गिरे और उसकी एक बूंद सीपी में चली जाए, तो वह मोती बन जाती है। सीपियों को यह मालूम है, अतएव जब यह नक्षत्र उदित होता है, तो सीपियाँ पानी की ऊपरी सतह पर आ जाती हैं, और उस समय की एक अनमोल बूंद की प्रतीक्षा करती रहती हैं। जैसे ही एक बूंद पानी उनके पेट में जाता है, वैसे ही उस जलकण को लेकर अपना मुंह बंद करके वे समुद्र के अथाह गर्भ में चली जाती हैं, और वहाँ बड़े धैर्य के साथ उनसे मोती तैयार करने के प्रयत्न में लग जाती हैं। हमें भी उन सीपियों के समान बनना होगा। पहले सुनना होगा, फिर समझना होगा, अंत में बाहरी संसार से अपनी दृष्टि बिल्कुल हटाकर, सब प्रकार की विक्षेपकारी बातों से दूर रहकर, अंतर्निहित सत्य तत्व के विकास के लिए प्रयत्न करना होगा। एक भाव को नया कहकर ग्रहण करके, उसकी नवीनता चली जाने पर फिर किसी दूसरे नए भाव का आश्रय लेना, इस प्रकार बारंबार करने से तो हमारी सारी शक्ति ही इधर–उधर बिखर जाएगी। एक भाव को पकड़ो, उसी को लेकर रहो। उसका अंत देखे बिना उसे मत छोड़ो। जो एक भाव लेकर उसी में मत्त रह सकते हैं, उन्हीं के हृदय में सत्य तत्व का उन्मेष होता है। अतः ''भावातीत ध्यान–योग'' का प्रतिदिन नियमित प्रातः एवं संध्या 15 से 20 मिनट का अभ्यास आपके जीवन में आनंद को चिरस्थाई बनायेगा।

जय गुरु देव, जय महर्षि जी

Brahmachari Girish Ji presenting book titled "Maharishi Mahesh Yogi Ji ki Daiviya Chhatrachhaya Mein Brahmachari Girish" to the dignitaries

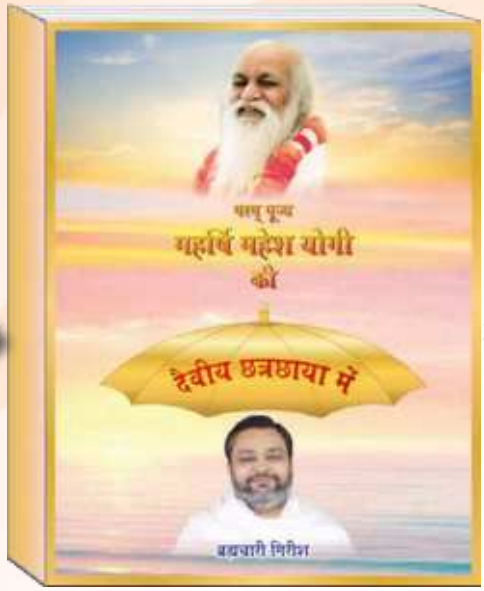

Jyotishpeethadheeshwar Shri Vasudevanand Sarswati Ji Maharaj Shankaracharya has reviewed the book and appreciated Girish Ji for writing this book

Kanchipeethadheeshwar Jagadguru Shankaracharya Swami Jayendra Saraswati Ji Maharaj blessed Brahmachari Ji

Brahmachari Ji met Swami Jitendranath Ji Maharaj, Peethadheeshwar of Shri Nath Peeth, Anjan Gram, Surji, Maharashtra and received blessings

Brahmachari Ji presenting the book to Shri Brajesh Pathak Ji, Hon'ble Deputy Chief Minister of Uttar Pradesh

Brahmachari Ji gifted the book Shri Narottam Mishra Ji, Hon'ble Minister of Home Affairs, Law, Prisons, and Parliamentary Affairs, Govt. of MP

Shri Ajatshatru Shrivastava, Ex-Commissioner of Bhopal receiving the book from Brahmachari Ji

Shri M.P. Tiwari Ji, Hon'ble Ex-District and Session Judge receiving the book from Brahmachari Ji

Brahmachari Ji presented the book to Shri Alok Sinha, senior lawyer of Hon'ble High Court UP and his wife

Brahmachari Ji presenting the book to Dr. Sandeep Sharma Ji, famous arthopaedic surgeon of Fracture Hospital, Bhopal

Jai Guru Dev

Spiritual Empowerment of Every Citizen is Our Sacred Duty: Bramhachari Girish Ji

Hon'ble Chairman, Maharishi Vidya Mandir Schools Group and pioneer of Maharishi Adhyatmik Janjagran Abhiyan, Brahmachari Girish ji has urged all the people of Ved Bhoomi Bharat that - everyone should learn to recite Shri Ramcharitmanas and Shrimadbhagwad Gita and understand their comprehensive meaning. It is very easy to learn them.

He informed that Maharishi Sansthan is trying to provide their expert teachers all over India. Everyone should make sure to take out one hour daily for this. There are many benefits of recitation including a successful, blissful, peaceful and enlightened life. Maharishi Adhyatmik Janjagran Abhiyan requires 500 male and 500 female teachers all over India to teach pure and correct chanting and understanding the ideas enshrined in Shri Ramcharitmanas and Shrimadbhagwad Geeta and Stotras of Devi and Devtas.

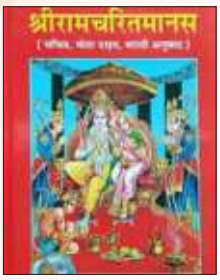

For this, 30 to 45 days training will be given. During the training, lodging and boarding will be arranged by Maharishi Sansthan, for which a fee will be charged. The minimum educational qualification to become teacher for this is graduation with Hindi or Sanskrit subject. Graduates with other subjects from any recognized University may also apply if they have good practice of reading/reciting Shriramcharitmanas, Shrimadbhagwad Gita and some of the Stotras of Devi and Devtas. Preference will be given to applicants having post graduate degree in these subjects. Mentally and physically sound persons in the age group of 21 to 60 years can apply including retired citizens.

After successful completion of this training, the participants will have to organise training sessions for recitation of Shri Ramcharitmanas, Shrimadbhagwad Gita and different Stotras and conduct other programs of Maharishi Organisation all over the country. For this, the organisation will provide only the expenses incurred in organizing the event, allowance for travel, boarding and lodging at the venue. Along with this, 5 to 15 percent of amount received from successfully implementing the programs of Maharishi Sansthan and sale of products, will be given as incentive.

Interested applicants are requested to send their application within 15 days in the prescribed form enclosed at the end of this magazine, mentioning complete details such as name, address, telephone number, educational qualification, work experience etc. along with latest photograph and photocopy of certificates to -

Maharishi Vishwa Shanti Trust, Hall No. 16, Third Floor, Sarnath Complex, in front of Board Office, Shivaji Nagar Bhopal - 462016

For any additional information please contact on

Phone No.- 9425008470, 0755-4310003 or

E-mail- mwpa@mssmail.org, website - www.mwpm.in can also be visited

On the auspicious occasion of India's 77th Independence Day Brahmachari Girish Ji hoisted Indian flag at Gurudev, Brahmanand Saraswati Ashram, Bhopal

On the auspicious occasion of India's 77th Independence Day, Brahmachari Girish ji hoisted Indian flag at Gurudev Brahmanand Saraswati Ashram, Bhopal. More than 250 Vedic Pandits, Acharyas, students and members of Maharishi Ved Vigyan Vidyapeeth participated in this celebration. In his address Brahmachari Girish ji said that "We all are very proud that we were born in independent India, Ved Bhoomi – Dev Bhoomi – Purna Bhoomi – Punya Bhoomi Bharat. Our forefathers have freed India and handed it over to us. Now it is our duty to protect Mother India, protect all the citizens of India, give them the Vedic mantra for the complete development of life. Our Vedic knowledge, Vedic science, Vedic traditions are the basis of the perfection of life. It is necessary that we should present this knowledge to every citizen of India. Knowledge is the basis of organising power. Knowledge lies in the consciousness, in the soul-Atma and His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji has given the simplest method to awaken

consciousness of the whole world. By awakening the consciousness, we have the ability to awaken all the areas of knowledge and can awaken the full potential of organizing power. Right now, freedom is understood only as political freedom. In fact, freedom is the administration of the self-Atma. It is the kingdom of the self-Atma, it is Ramrajya, it is Ath Vedanushasanam, it is Ath Yoganushasanam. We have to spread this message and this technique to all the citizens. The techniques of Yoga and Yagya are at the root of development in India. All of you Vedics are experts in this. I welcome all of you, let us repeat the pledge today for the entire world family through India, that we will fulfil the aspirations of "Sarve Bhavantu Sukhinah" of our Vedic Masters of Holi Tradition– Vedic Guru Parampara very soon".

Vedic pundits recited Vedas on this occasion and the programme ended with distribution of sweets.

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठमों में 77वां स्वतंत्रता दिवस वैदिक पंडितों की उपस्थिति में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, ओंकारेश्वर

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, नरसिंहपुर

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, वाराणसी

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, जर्रापुर

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, छतरपुर

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, ढेंकानाल

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, राजमुंदरी

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, देवघर

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, चरयाली, गोहाटी

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, चरयाली, गोहाटी

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, रामेश्वरम्

महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, रामेश्वरम्

महर्षि आश्रम, प्रयागराज

महर्षि आश्रम, प्रयागराज

Maharudrabhishek
At Gurudev Brahmanand Saraswati Ashram, Bhopal

121 Maharishi Vedic Pundits performed Maharudrabhishek Yagya at Gurudev Brahmanand Saraswati Ashram, Bhopal on pious day of Shravan Somvar. Many dignitaries, staff members & students with Principals of Maharishi Vidya Mandir Schools of Bhopal city have enjoyed these divine moments.

Maharishi Regional Cultural Celebration 2023

Kurukshetra Region

With the divine blessings of Shri Guru Dev and His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji and under the guidance of Hon'ble Chairman, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, Brahmachari Girish Ji, Maharishi Regional Cultural Celebration for Kurukshetra region was organised online on 17th and 18th August 2023 at MVM Kurukshetra.

The two days grand celebration was inaugurated by the chief guest. Dr Maha Singh, Associate Professor and the Head, Youth and Cultural Affairs Department, Kurukshetra University and the guest of honour Shri Sushil Taya Ji, Lecturar, Senior Model School Kurukshetra. The programme started with Shri Guru Parampara Pujan and customary lighting of lamp by the chief guest, the guest of honour, Smt. Mahindar Kaur, Principal MVM, Kurukshetra and the judges of the programme.

Smt. Mahinder Kaur warmly welcomed Dr. Maha Singh, Shri Sushil Taya, Shri Yateesh Saxena, Adl. Director P&A, MVM Schools Group and National representative of the programme, all the dignitaries, media persons, Principals, teachers and students of participating MVM Schools.

In this celebration the students of 13 Maharishi Vidya Mandir Schools of Kurukshetra region participated in different events such as group dance, debate, group patriotic song, vocal music, instrumental music, classical orchestra only using Indian instruments, chanting of Shrimadbhagvadgeeta, recitation of Ramcharitmanas, yogasan, on the spot painting, Mathematics and Science exhibition. The first day celebration started by invoking the blessings of Lord Ganesha and the welcome dance by the selected students of MVM Kurukshetra.

The cultural celebration started with a very positive note and vibrant enthusiasum. The sequence of events held on the 1st day was group dance on patriotic or Vedic theme (senior), group patriotic song (junior), Vocal music (Indian classical) (junior), instrumental music (senior), classical orchestra only using Indian instruments (mixed group), chanting of Shrimadbhagvadgeeta (without music), recitation of Ramcharitmanas (without music), debate English (Senior), debate Hindi (Senior), Science and Mathematics exhibition senior and junior.

The 2nd day began with Shri Guru Parampara Pujan. All the dignitaries' were welcomed and the performances of various events started. The order of the events for the second day of MRCC-2023, Kurukshetra Region was yogasan, group dance on patriotic or vedic theme (Junior), on the spot painting (Senior) and on the spot painting (Junior). After completion of each event, the judges profusely appreciated the celebration and the performances of the participants. At the end of the programme the most awaited moment came to all the participants of MVM Schools of Kurukshetra region when the result was announced.

The Principal MVM Kurukshetra announced that the participants who got the first postion will participate in Maharishi National Cultural Celebration to be organised at Bhopal from 27th to 29th October 2023.

She congratulated the students who got first and second positions in the respective competition. Programme culminated with the vote of thanks extended by Mrs. Mahinder Kaur, the Principal MVM Kurukshetra and enthusiastic singing of National Anthem by all.

Maharishi Regional Cultural Celebration 2023

Prayagraj Region

With the divine blessings of Shri Guru Dev, His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji and inspiration from Hon'ble Chairman, MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji, Maharishi Regional Cultural Celebration of Prayagraj Region was organised by host school MVM Sultanpur on 25th and 26th August 2023. In all 12 MVM schools of Prayagraj Region participated online.

The programme started on 25th August 2023. The Chief Guest Shri Brijesh Mishra I.P.S. S.P. Police Training Centre Sultanpur inaugurated the function by lighting customary lamp followed by Shri Guru Parampara Poojan. Principal, MVM Sultanpur, Shri J. N. Upadhyay welcomed and honoured the chief guest and other dignitaries by offering them bouquet. On this occasion Shri Navin Kumar, Joint Director, MVM School Sultanpur also honoured the guests.

First Day programme included Group Dance (Sr. / Jr.), Group Song (Sr. /Jr.), Science and Maths Exhibition (Sr. / Jr.). On 2nd day i.e. 26th August 2023 the events of Yogasan, Yogic Flying, Spot Painting (Sr. /Jr.), Debate Competition (Eng, Hindi & Sanskrit) and Quiz were observed online by the Judges.

In this programme MVM schools of Prayagraj Region Gonda, Jhushi, Mankapur, Orai, Kanpur, Fatehpur, Kalindipuram, Naini, Hardoi, Sitapur and Sultanpur participated, wholeheartedly and enthusiastically.

The programme was concluded with announcement of result of the various competitions by venue principal Shri J.N. Upadhyay who declared that the teams standing first will participate in Maharishi National Cultural Celebration 2023 to be held at Bhopal from 27 to 29 October 2023.

All the events received huge appreciation from the participating schools, and media persons.

The programme concluded with enthusiastic singing of the National Anthem.

Maharishi Vidya Mandir Schools Group Report

Maharishi Vidya Mandir Schools Celebrated the Completion of Azadi Ka Amrit Mahotsav and 77th Independence Day

"All freedom to man, but freedom is useful when we know what life is, when we know what past is, what present is, then we know how to go about things, not that every man should be left to experiment by himself."

H. H. Maharishi Mahesh Yogi

On 77th Independence day of India i.e. 15th August 2023, the students, teachers, staff members and Principals of Maharishi Vidya Mandir Schools Group were full of patriotic feelings and enthusiastic. The celebration commenced with the hoisting of tricolour by the MVM Principals followed by chorus enchantment of National Anthem. All schools resonated with the harmonious sound of the National Anthem.

The Principals conveyed the blessings and wishes of Hon'ble Chairman MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji to all. In their address, they emphasised on understanding our duties and taking them up earnestly. They also inspired students to be faithful, disciplined and dutiful. The students showcased their talents by performing various patriotic songs, dances and speeches. All the students and staff enjoyed and appreciated the programmes.

Photographs of celebration in schools

MVM Aligarh (Main)

MVM Aligarh - II

MVM Almora - I

MVM Amarpatan

MVM Ratanpur, Bhopal

MVM Hyderabad

MVM Jabalpur - V

MVM Jabalpur - VI

MVM Maharishi Nagar

MVM Noida

MVM Naini - II, Prayagraj

MVM Satna

MVM Shahdol

MVM Silchar

MVM Thanjavur

MVM Tiruvannamalai

MVM Tumsar

MVM Hardoi

MVM Haridwar

MVM Hissar

MVM Jabalpur - III

MVM Majholi, Jabalpur

MSE Chennai

MVM Berasia

MVM Bhubneshwar

MVM Chhatarpur - III

MVM Jhunsi, Prayagraj

MVM Tangla

MVM Bhandara

MVM Guwahati - I

MVM Mahasamund

MVM Pithoragarh - I

Maharishi Kids Home, Tiruvannamali

प्रकृति से तादत्म्य का उत्सव
सहस्र शीर्षा देवी मंडल द्वारा हरियाली तीज उत्सव का आयोजन

दिनाँक 19 अगस्त 2023 शनिवार को महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी के मार्गदर्शन में महर्षि विश्वशांति आंदोलन की महिला शाखा सहस्त्र शीर्षा देवी मंडल के द्वारा महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के सभी विद्यालयों में हरियाली तीज का भव्य आयोजन किया गया जिसमें माता अभिभावकों, समस्त महिला प्रचार्याओं, शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य कार्यक्रम भोपाल में महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय रतनपुर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम गुरु पूजन परंपरा के साथ दीपप्रज्ज्वलित किया गया। विशिष्ट अतिथि आर्यानंद कुमार, संयुक्त निदेशक, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह एवं राष्ट्रीय संचार सचिव महर्षि विश्व शांति आंदोलन, श्रीमती सुमन यादव, सचिव सहस्त्र शीर्षा देवी मंडल, जिला भोपाल एवं प्राचार्य महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय, अयोध्या नगर एवं भोपाल के समस्त महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों की प्राचार्याओं का सम्मान पौधा भेंट कर किया गया। श्रीमती आर्यानंद कुमार ने अपने संबोधन में सभी को हरियाली तीज की शुभकामनाएं देते हुये महर्षि विश्व शांति आंदोलन एवं सहस्त्र शीर्षा देवी मंडल के स्थापना दिवस के महत्व को बताया और सभी को भावातीत ध्यान करने को प्रेरित किया। तत्पश्चात छात्राओं के द्वारा सुंदर नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति की गई। साथ ही मेहंदी व गायन एवं कुछ मनोरंजक खेलों की प्रतियोगिताएं भी रखी गईं। हरियाली तीज के पावन पर्व पर प्रर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षा रोपण किया गया। माता अभिभावकों के द्वारा सुंदर नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति दी गई। अंत में विजेता प्रतिभागियो को पुरस्कार वितरण किए गए एवं श्रीमती सुमन यादव के द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया।

MVM Pratappur

MVM Chhatarpur - III

MVM Naini - I

MVM Naini - II, Prayagraj

MVM Tiruvannamalai

MVM Berasia

MVM Hardoi

MVM Jabalpur - IV

MVM Jabalpur - III

MVM Shahdol

MVM Hissar

MVM Nadaun (Main)

MVM Panna

MVM Amarpatan

Other Events

MVM Amarpatan

Maharishi Vidya Mandir, Lalpur. Amarpatan students participated in Quiz Competition organised by Takshashila Academy Amarpatan on the occasion of 77th Independence Day. Near about 17 School students of Amarpatan (Class IX to XII) participated in this Quiz Competition and Maharishi Vidya Mandir Lalpur Amarpatan students where declared winner in Group B Team event and awarded cash prize of Rs. 2100/- with trophy & certificates.

MVM Hyderabad

All the Principals of Telangana and Andhra Pradesh and CBSE Directors and officials from Delhi and regional office were present at State level NEP conference at Hyderabad. Also selected students and incharge teacher for Adolescent and Life Skills where also invited in parallel conference relating NEP.

Shri Vasanthi Parshuraman, Principal MVM Hyderabad shared best practices in Maharishi Vidya Mandir Schools. She spoke about the benefits and importance of TM and incorporating MCBE into the school curriculum. All the participants including the CBSE officials from Delhi and regional office were very much impressed and wanted to know more details. The Principal MVM Hyderabad promised to send the desired information at the earliest.

MVM Jabalpur - VI

Investiture Ceremony

MVM Mandla

MVM Mandla got second position in District Cultural Program by Respected Collector Mandla

MVM Tumsar

MVM Tumsar student. Master Nayan Burade participated in 'All Maharashtra State Level Kick Boxing Championship' 2023 and stood 2nd rank in the said competition. He has got the honour to qualify for the National Level Kick Boxing Championship which is going to be held in Ranchi (Jharkhand) very soon. For the said event, sports teacher Mr. Mayur Nagmote has worked hard. All the staff members including the Principal gave best compliments to Nayan Burade for the National Level Competition.

MVM Thanjavur

MVM Thanjavur successfully completed Annual Sports Meet 2023 at Annai Sathya Stadium on 12-August-2023.

The sports day began with the Guru Pooja and welcome of the chief guest Thiru. P.N Raja, Deputy. Supdt. of Police, Thanjavur and Thiru. R.R.Kalidas Vandayar, Honour Secretary, Thanjavur District Cricket Association. The Principal Smt. Ramlaxmi greeted guests and dignitaries with flowers and presented a brief report on the school's sports activities and students achievements.

After the hoisting of National Flag and the School Flag, Thiru. P. N Raja, Deputy Supdt. of Police declared the Meet opened. He also released the doves as mark of world peace.

The students of all the four houses performed yoga, Tumble dance, Ribbon dance, Aerobic with their rhythmical movements to show their group talents. The students of various classes performed beautiful dances to show their energy. Various events were conducted for the students. The zealous parents, gathered in large numbers, constantly applauded the participants of the track and field events. The award ceremony came after all these events-medals, trophies, and certificates were awarded to the achievers of the various events. The Vashitha House was awarded for the best March Past performance and the Narayana House was declared the overall Best House in sports events. The evening ended on a high note with a look of accomplishment and pride on the faces of the students.

Photo gallery of Annual Sports Meet 2023

Photo gallery of Annual Sports Meet 2023

Maharishi Kids Home, Ayodhya Nagar, Bhopal

Investiture Ceremony

WELLNESS NEWS

Benefits of Curd

Yogurt is considered a superfood because it is packed with calcium, protein and active, 'good' bacteria which helps keep the gut healthy. It also helps in promoting weight loss, boosting metabolism, increasing immunity, preventing osteoporosis, and fighting anemia, vaginal infections, and cancer. Additionally, it also helps lower cholesterol levels, strengthen teeth, and improve hair and skin health.

Health Benefits of Curd

Improves Digestion

Due to the presence of active bacterial strains in yogurt, it is easily digestible. In fact, the probiotics in yogurt, produced by the lactic acid bacteria present in it, aid in alleviating constipation, diarrhea, colon cancer, inflammatory bowel disease, and even infections by peptic ulcer-causing bacteria H. pylori, which may eventually lead to stomach cancer.

Protects Bone Health

Being derived from milk, yogurt consists of large doses of calcium, potassium, and magnesium and has an anti-inflammatory effect on the body. Calcium and magnesium are essential for maintaining bone and dental health. It is also good for people suffering from osteoporosis, arthritis, and rheumatism. Adequate calcium consumption also lowers the incidence of osteoporosis in menopausal women.

Weight Management

Studies show that consuming yogurt helps you feel full, as a result, you avoid overeating. This not only helps to keep the weight in control but also reduces belly fat.

Enhances Brain Function

The rich source of probiotics, yogurt, enhances mood and cognitive function. It also treats nervous disorders like Parkinson's, Alzheimer's, and autism. The rich source of potassium present in cured is essential for nerve health and also maintains the fluid balance in the body.

Prevents Anemia

According to findings by the Journal of Dairy research, the protein content in yogurt has been found to be higher than that of milk. It is also known to be more easily digestible than milk due to the partial breakdown of proteins, such as casein, by the fermenting bacteria.

Boosts Immunity

The probiotic strains of bacteria present in yogurt boost the immune system and reduce the incidence of infections, inflammatory diseases, and allergies. Scientists say that regular consumption of yogurt activates your T cells and helps you fight illness with a stronger immune system.

Lowers Hypertension

A regular intake of dairy products has been shown to lower hypertension by decreasing sodium reabsorption. It is good to start eating yogurt if you have high blood pressure.

Skin & Hair Care

Yogurt, when applied topically, has been proven to cure acne and skin rashes, and gives it a healthy glow by reducing dark circles and closing pores. It is also beneficial for hair, as it soothes the itchy scalp and treats dandruff.

Workout Recovery

Consuming Greek yogurt post workout helps in better recovery. If you also have a glass of water with it, the water absorption rate is also increased.

Is Yogurt Good For You?

Yogurt, in general, is good for everybody. But, if you suffer from any one of the conditions then yogurt is bad for you. These conditions are Lactose intolerance, Milk allergy or Diabetics.

महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान (महर्षि विश्व शांति ट्रस्ट की एक इकाई)
शिक्षकों की आवश्यकता - शिक्षक प्रशिक्षण हेतु आमंत्रण

सम्पूर्ण भारतवर्ष में श्रीरामचरितमानस एवं श्रीमदभगवदगीता के सस्वर एवं शुद्ध पाठ शिक्षण हेतु योग्य 500 पुरुष एवं 500 महिला शिक्षकों की तत्काल आवशयकता है।

आवेदन करें: हॉल नं. 16, प्रथम तल, सारनाथ कॉम्प्लेक्स, बोर्ड ऑफिस के सामने, (एम. पी. नगर), शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462016. फोन: 0755–4310003, 9425008470.

ईमेल: mwpa@mssmail.org वेबसाइट: www.mwpm.in

"India Growing in Positivity with Rise of Coherence-in Collective Consciousness"

Delhi Startup's 'Smart Plant' Can Purify The Air in Your Room in Just 20 Minutes

Built by a Delhi-based startup, UBreathe is smart flowerpot that amplifies the natural air purification process present in plants.

Rapid industrialisation has polluted three essentials that are absolutely necessary for us to survive the food we consume, fresh water, and the air around us. There are many solutions for two of those including things like water purifiers, eating organically grown consumable, or growing a kitchen garden. But there are very few real solutions for the air we breathe. Even the ones that do exist are usually expensive or slow.

But, new ones are being created all the time. And there is a growing focus around long-term fixes, rather than bigger and bigger filters over our faces or windows.

One such idea to improve the quality of the air in urban settings is by an alumnus of IIT Kanpur. He has invented a 'Smart Bio-Filter' flowerpot named 'UBreathe'. This amplifies the natural air purification process all around us.

"Air-purifying plants absorb air from the atmosphere, which goes to the root zone where the pollutants are purified. The oxygen that is generated is expelled by the plant. But, this process is slow as the flowerpot constricts space for supplying air," says Sanjay Maurya, the co-founder of UBreathe.

About UBreathe and How it Purifies Air

UBreathe has three components: The plant, a smart flowerpot, and microbe-enriched soil.

The flowerpot is powered by residential electricity, and the air is filtered by a method known as 'bio-filtration'. Air from the surrounding is absorbed by the plant and is pushed into the soil where the root zone takes care of suppressing the pollutants and also exhales clean air. Once this is done, the UB unit discharges the clean air through an outlet.

"The smart flower pot does not have any extra filters, but simply amplifies the purification process. There is an axial fan which creates a suction pressure inside the flowerpot, and releases purified air, formed at the roots, through the outlet at a faster pace. To ensure that the purification at the roots happens faster, the soil is enriched with additional microbes, a secret concoction we have, that breaks down the pollutants," says Sanjay.

During testing of the device under lab conditions, it was found that air filled with Particulate Matter 2.5 (pm 2.5) at the level of 220, reduced to a level of 20 within 15 minutes. The Air Quality Index also improved from a staggering 285 to the safe-level of 30 within 20 minutes.

"There are five varieties of air-purifying plants we have tested with, and all of them are grown in our in-house nursery located at Gurgaon. The one we usually recommend to most users is the Dracaena Trifasciata, also known as the snake plant, which is easy to maintain," says Sanjay.

The number of plants required in one more depends on the size. But one UB unit is sufficient to purify air within 15 mins in a 200 sq ft room.

The consumer need not water the plant regularly as there is a built-in water reservoir with a capacity of 150ml which is sufficient for one month. Sanjay says that the device supplies water to the roots whenever it gets too dry.

Maharishi Movement Global News

US: 'Enlivening consciousness twice daily for inner mastery of life' - Webinar with Tony Nader, MD, PhD - Loyola Stritch School of Medicine.

Do you bargain with yourself about whether to meditate once or twice a day? In this webinar for health professionals, students and physicians at Loyola University in Chicago, Stritch School of Medicine will share their discovery that Transcendental Meditation practice twice a day provides exponential rewards for learning and life. Tony Nader, M.D., Ph.D., will reflect with them about their experiences. Dr Nader is an MIT- and Harvard-trained medical doctor, neuroscientist, and leading authority in the field of consciousness. He directs the nonprofit organizations that teach TM in over 100 countries.

US: National TM Intro Webinars

The Transcendental Meditation programme in the USA is hosting two nationwide, live intro talk webinars on the TM technique. Whether you're interested in the TM technique for deep inner calm, personal growth, improved health, greater happiness, or anything else, a TM Intro Webinar is the best way to learn more about it. If you and your friends and colleagues have been been meaning to look into TM, join certified TM teachers Bob Roth and Raisa Martinez - a great opportunity for everyone. Admission is free, the main presentation will be followed by a Q and A.

A 17-year landmark study finds that group meditation decreases US national stress

A study published this month in the World Journal of Social Science found that group practice of the Transcendental Meditation and TM-Siddhi techniques by the square root of 1% of a population decreased multiple stress indicators in the U.S. The study is the longest and most comprehensive of 50 studies to demonstrate the Maharishi Effect, named in honour of Maharishi Mahesh Yogi, founder of the Transcendental Meditation (TM) programme and Maharishi International University (MIU). The paper concludes with a call to create a permanent 'square root of 1%' group for the whole world - 8,000 participants practising the TM and TM-Siddhi programme together in one place. The world is interconnected, no one is safe until everyone is safe, living in harmony. This is easily within reach of any government or the world's wealthiest citizens. The person who does it will be remembered as the greatest leader in history.

News Clipping

आध्यात्मिक जनजागरण अभियान हमारा परम् कर्तव्य

-ब्रह्मचारी गिरीश

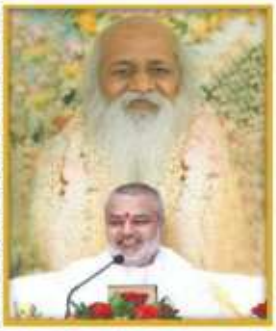

भोपाल। महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष एवं महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान के प्रणेता ब्रह्मचारी गिरीश जी ने वेदभूमि भारत के समस्त जनों से आग्रह किया है कि **"सभी को श्रीरामचरितमानस एवम श्रीमद्भगवद्गीता"** का पाठ करना सीखना एवं इनका गूढ़ अर्थ समझना चाहिए। इन्हें सीखना बहुत सरल है। महर्षि संस्थान प्रयासरत है कि सम्पूर्ण भारतवर्ष में इनके विशेषज्ञ शिक्षक प्रशिक्षण प्रदान करें। इसके लिए एक घंटे प्रतिदिन अवश्य समय निकालें। सफल, आनंदमय, शांतिमय एवं प्रबुद्ध जीवन सहित पाठ के अनेक लाभ हैं।"

संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीरामचरितमानस एवं श्रीमद्भगवद्गीता के शुद्ध पाठ शिक्षण के लिए महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान को 500 पुरुष एवं 500 महिला शिक्षकों की आवश्यकता है। इस हेतु 30 से 45 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान आवास एवं भोजन की व्यवस्था महर्षि संस्थान द्वारा की जाएगी। जिसके लिए शुल्क लिया जावेगा।

आवेदकों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हिंदी अथवा संस्कृत विषय के साथ स्नातक उपाधि है। अन्य विषयों में उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी भी आवेदन कर सकते हैं यदि उन्हें श्रीरामचरित मानस, श्रीमद्भगवद्गीता एवं देवी देवताओं के स्तोत्रों के शुद्ध उच्चारण/पढ़ने/वाचन का ज्ञान हो। इन विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी। 21 से 60 वर्ष तक की आयु के मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं जिसमें सेवानिवृत्त नागरिक भी शामिल हैं।

इस प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेने के पश्चात् प्रतिभागियों को संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीरामचरितमानस, श्रीमद्भगवद्गीता एवं देवी देवताओं के पाठ एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित करने होंगे। इसके लिए संस्थान द्वारा केवल आयोजन में होने वाला व्यय, यात्रा एवं स्थल पर रुकने हेतु भत्ता प्रदान किया जावेगा। साथ ही महर्षि संस्थान के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने एवं उत्पाद विक्रय करवाने पर 5 से 15 प्रतिशत राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी।

इच्छुक आवेदक नाम, पता, दूरभाष क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता, कार्य अनुभव आदि के संपूर्ण विवरण सहित नवीन छायाचित्र एवं प्रमाण पत्रों सहित अपना आवेदन 15 दिवसों के अंदर महर्षि विश्व शांति ट्रस्ट, हाल नंबर 16, तृतीय तल, सारनाथ काम्प्लेक्स, बोर्ड ऑफिस के सामने, शिवाजी नगर भोपाल-462016 में प्रेषित कर सकते हैं। किसी भी अतिरिक्त जानकारी हेतु कृपया दूरभाष क्रमांक -9425008470, 0755-4310003 या ईमेल: mwpa@mssmail.org पर संपर्क करें। साथ ही कृपया वेबसाइट: www.mwpm.in का भी अवलोकन करें।

Spiritual Empowerment of Citizen is Our Sacred Duty

Bramhachari Girish Ji

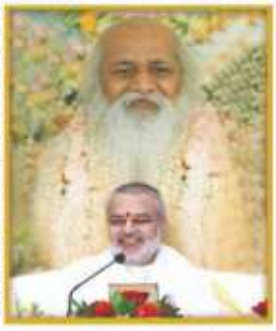

Bhopal. Honorable President of Maharishi Vidya Mandir Schools Group and pioneer of Maharishi Adhyatmik Janjagran Abhiyan, Brahmachari Girish ji has urged all the people of Ved Bhoomi Bharat that "everyone should learn to recite Shri Ramcharitmanas and Shrimadbhagwad Gita and understand their comprehensive meaning. It is very easy to learn them. Maharishi Sansthan is trying to provide their expert teachers all over India. Everyone should make sure to take out one hour daily for this. There are many benefits of recitation including a successful, blissful, peaceful and enlightened life".

Maharishi Adhyatmik Janjagran Abhiyan requires 500 male and 500 female teachers all over India to teach pure and correct chanting and understanding the ideas enshrined in Shri Ramcharitmanas and Shrimadbhagwad Geeta. For this, 30 to 45 days training will be given. During the training, lodging and boarding will be arranged by Maharishi Sansthan, for which a fee will be charged.

The minimum educational qualification to become teacher for this is graduation with Hindi or Sanskrit subject Graduates with other subjects from any recognized University may also apply if they have good practice of reading/reciting Shriramcharitmanas, Shrimadbhagwad Gita and some of the Stotras of Devi and Devtas. Preference will be given to applicants having post graduate degree in these subjects. Mentally and physically sound persons in the age group of 21 to 60 years can apply including retired citizens.

After successful completion of this training, the participants will have to organize training sessions for recitation of Shri Ramcharitmanas, Shrimadbhagwad Gita and different Stotras and conduct other programs of Maharishi Organisation all over the country. For this, the organization will provide only the expenses incurred in organizing the event, allowance for travel, boarding and lodging at the venue. Along with this, 5 to 15 percent of amount received from successfully implementing the programs of Maharishi Sansthan and sale of products, will be given as incentive.

Interested applicants should send their application on a plain paper mentioning complete details such as name, address, telephone number, educational qualification, work experience etc. along with latest photograph and photocopy of certificates to Maharishi Vishwa Shanti Trust, Hall No. 16, Third Floor, Sarnath Complex, in front of Board Office, Shivaji Nagar Bhopal-462016 within 15 days. For any additional information please contact on phone no.-9425008470, 0755-4310003 or email- mwpa@mssmail.org •website -www.mwpm.in can also be visited.

ध्वजारोहण के बाद सांसद ने स्कूल में किया पौधरोपण

हरदोई (एसएनबी)। शहर के शाहजहांपुर रोड स्थित महर्षि विद्या मन्दिर में स्वतंत्रता दिवस का पर्व अत्यंत हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया।

सुबह प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जो डीएम चौराहा से कलेक्ट्रेट कार्यालय तक गई। जिसमें प्रधानाचार्य आलोक कुमार श्रीवास्तव के साथ शिक्षक वैभव दुबे, अनुज दीक्षित, सर्वेश मिश्रा, अनुज पांडेय, सुशील राठौर, गौरव, शुभांजलि सिंह, श्वेता त्रिपाठी व सुप्रिया पांडेय आदि ने बच्चों के साथ प्रभात फेरी का आनंद लिया और देश भक्ति के नारे लगाये। कार्यक्रम का शुभारम्भ गुरु पूजन से हुआ। मुख्य अतिथि सांसद जयप्रकाश रावत ने ध्वजारोहण किया। उनके साथ प्रधानाचार्य आलोक कुमार श्रीवास्तव सम्मिलित हुए। उनके साथ सांसद प्रतिनिधि जितेन्द्र चौहान, धीरेन्द्र सिंह मौजूद रहे। सांसद श्री रावत ने स्वतंत्रता दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए को मेरी माटी मेरा देश से प्रेम करने और जुड़े रहने को कहा। इसके पश्चात उनके द्वारा विद्यालय परिसर मे वृक्षारोपण किया गया। प्रधानाचार्य ने संस्था के चेयरमैन गिरीश का शुभ संदेश सुनाया। यहां पर विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के छात्र छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मंच का संचालन अभिषेक तिवारी ने किया।

खरी कसौटी
www.kharikasauti.com

महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वितीय दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों की रही धूम

महर्षि विद्या मंदिर में आयोजित हुआ दो दिवसीय कार्यक्रम

खरी कसौटी

सुलतानपुर, जिले के उत्कृष्ट विद्यालयों में गिने जाने वाले महर्षि विद्या मंदिर में महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वितीय दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत गुरु पूजा के साथ प्रधानाचार्य जेएन उपाध्याय संयुक्त निदेशक नवीन कुमार ने किया। द्वितीय दिवस के कार्यक्रमों में जुनियर और सीनियर वर्ग से योगासन, स्पॉट पेंटिंग, गीता श्लोक उच्चारण, हिंदी, संस्कृत व अंग्रेजी भाषा में वाद विवाद प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम सम्मिलित रहे।

निर्णायक निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में योगासन के लिए डॉ राकेश यादव तथा सुनीता शुक्ला,स्पॉट पेंटिंग के लिए जगराम भार्गव नरेंद्र नाथ गुप्ता,हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता के लिए डॉ० धर्म विजय सिंह प्रोफेसर संजय गांधी पीजी कॉलेज चौकिया ,संस्कृत वाद विवाद प्रतियोगिता के लिए डॉ० प्रभाकांत सहायक प्रोफेसर संजय गांधी पीजी कॉलेज चौकिया, अंग्रेजी वाद विवाद प्रतियोगिता के लिए डॉ० सुधा सिंह प्राचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज डेमा अमेठी तथा सर्वादीन पाण्डेय पूर्व प्रधानाचार्य बाबा बरियरशाह इंटर कॉलेज भरखरे उपस्थित रहे।

निर्णायक मंडल के द्वारा समस्त कार्यक्रमों का बारीकी के साथ अवलोकन किया गया।योगासन में मुख्य रूप से चक्रासन, मयूरासन, हलासन, पद्मासन,ताड़ासन, सूर्य नमस्कार आसन आदि सम्मिलित रहे। स्पॉट पेंटिंग में जुनियर और सीनियर वर्ग के छात्र-छात्राओं ने बड़े ही सुंदर ढंग से स्थलीय कलाकृतियों तथा प्राकृतिक परिवेश की चित्रकारी की। हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी में वाद विवाद प्रतियोगिता का विषय वैश्विक जलवायु परिवर्तन के लिए मानव की गतिविधियां जिम्मेदार हैं या नहीं पर समस्त प्रतिभागी विद्यालयों के बच्चों ने बड़े ही सुंदर ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए।इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
स्वतंत्र भारत
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : swatantrabharat.net

महर्षि विद्या मंदिर के सांस्कृतिक समारोह में योगासन व गीता श्लोक उच्चारण की रही धूम

सुल्तानपुर महर्षि क्षेत्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम के आज द्वितीय दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ है परंपरागत गुरु पूजा के साथ प्रधानाचार्य जे एन उपाध्याय संयुक्त निदेशक नवीन कुमार ने किया।

द्वितीय दिवस के कार्यक्रमों में जुनियर और सीनियर वर्ग से योगासन, स्पॉट पेंटिंग, गीता श्लोक उच्चारण, हिंदी, संस्कृत व अंग्रेजी भाषा में वाद विवाद प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम सम्मिलित रहे। निर्णायक निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में योगासन के लिए डॉ राकेश यादव तथा सुनीता शुक्ला,स्पॉट पेंटिंग के लिए जगराम भार्गव नरेंद्र नाथ गुप्ता,हिंदी वाद विवाद प्रतियोगिता के लिए डॉक्टर धर्म विजय सिंह प्रोफेसर संजय गांधी पीजी कॉलेज चौकिया ,संस्कृत वाद विवाद प्रतियोगिता के लिए डॉक्टर प्रभाकांत सहायक प्रोफेसर संजय गांधी पीजी कॉलेज चौकिया, अंग्रेजी वाद विवाद प्रतियोगिता के लिए डॉक्टर सुधा सिंह प्राचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज डेमा अमेठी तथा सर्वादीन पाण्डेय पूर्व प्रधानाचार्य बाबा बरियरशाह इंटर कॉलेज भरखरे उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल के द्वारा समस्त कार्यक्रमों का बारीकी के साथ अवलोकन किया गया।योगासन में मुख्य रूप से चक्रासन, मयूरासन, हलासन, पद्मासन,ताड़ासन, सूर्य नमस्कार आसन आदि सम्मिलित रहे। स्पॉट पेंटिंग में जुनियर और सीनियर वर्ग के छात्र-छात्राओं ने बड़े ही सुंदर ढंग से स्थलीय कलाकृतियों तथा प्राकृतिक परिवेश की चित्रकार की। हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी में वाद विवाद प्रतियोगिता का विषय वैश्विक जलवायु परिवर्तन के लिए मानव की गतिविधियां जिम्मेदार हैं या नहीं पर समस्त प्रतिभागी विद्यालयों के बच्चों ने बड़े ही सुंदर ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं सहित शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य रूप से कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में जितेंद्र श्रीवास्तव, सत्येंद्र नाथ द्विवेदी, अजय सिंह ,अरविंद सिंह ,मयंक सिंह ,गंगा शरण पाण्डेय, अनुपम द्विवेदी ,पुष्कर तिवारी, अजय पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालयों में रोजगार की क्षमता बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम बनाये जाएं : राज्यपाल

सभी विश्वविद्यालय योग को करें शामिल: हरिचंदन

राजभवन में कुलाधिपति ने ली निजी विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली गई बैठक में

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

राज्यपाल और कुलाध्यक्ष विश्वभूषण हरिचंदन ने बुधवार को राज्य के सभी निजी विश्वविद्यालयों की बैठक लेकर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान कार्य एवं अन्य कार्यों की समीक्षा की। राज्यपाल ने कहा कि योग विश्व को भारत की देन है। विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए विश्वविद्यालयों में योग की गतिविधियां संचालित की जायें। उन्होंने कहा कि बाजार की आवश्यकता के अनुरूप युवाओं के कौशल उन्नयन हेतु प्रयास करना चाहिए, जिससे युवा आत्मनिर्भर बन सकें। विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रम बनाये जाये जिससे युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़े। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन सहित विभिन्न विषयों पर विश्वविद्यालयों से जानकारी ली गई। राज्यपाल ने कुलपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से भारत के योग को पूरी दुनिया में पहचान मिली और पूरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाने लगा। भारत ने विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि योग से तन और मन स्वस्थ होगा और युवा पीढ़ी अपनी पूरी क्षमता के साथ देश के निर्माण में समर्पित होगी। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ परदेसी ,राज्यपाल के सचिव अमृत खलखो, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के चेयरमैन डॉ. उमेश मिश्रा और सभी निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

उपस्थित कुलपतियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने विश्वविद्यालयों में संचालित गतिविधियों, शैक्षणिक स्टॉफ की भर्ती और नियुक्ति, विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से किये गये एम.ओ.यू., पाठ्यक्रम, परीक्षा और परिणाम, अनुसंधान तथा विश्वविद्यालय द्वारा अन्य क्षेत्रों में किये गये नवाचार के बारे में जानकारी दी। बैठक में मैट्स विश्वविद्यालय रायपुर, ओपी जिंदल विश्वविद्यालय रायगढ़, आई.सी.एफ.ए.आई विश्वविद्यालय दुर्ग, आई.एस.बी.एम. विश्वविद्यालय गरियाबंद, श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर, एमीटी विश्वविद्यालय रायपुर, आईएमटी विश्वविद्यालय रायपुर, महर्षि विश्वविद्यालय बिलासपुर, देव संस्कृति विश्वविद्यालय दुर्ग, सीवी रमन विश्वविद्यालय बिलासपुर, कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर, भारती विश्वविद्यालय दुर्ग, श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय भिलाई, के. के. मोदी विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति उपस्थित थे।

कुलपतियों ने दी अपनी गतिविधियों की जानकारी

देशभक्ति की भावना जगानी चाहिए

राज्यपाल ने कहा कि अध्ययन के अलावा विद्यार्थियों की समाज और राष्ट्र के प्रति भी जिम्मेदारी है। विश्वविद्यालयों को इस भूमिका के लिए भी विद्यार्थियों को तैयार करना चाहिए। उनमें देशभक्ति की भावना भी जगानी चाहिए। विद्यार्थियों को वंचित वर्गों को सहायता के लिए आगे आना चाहिए और लोगों को उनके अधिकारों के प्रति सचेत करना चाहिए।

महर्षि विद्या मंदिर में धूमधाम से मनाई हरियाली तीज

हरदोई : हाथों पर मेहंदी रचाये महिलाएं। फोटो : एसएनबी

हरदोई (एसएनबी)। शहर के शाहजहांपुर रोड स्थित महर्षि विद्या मन्दिर में महर्षि सहस्त्र शीर्षा देवी मंडल द्वारा हरियाली तीज पर्व धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सहस्त्र शीर्षा देवी मंडल की अध्यक्ष रेनू पाठक ने हरियाली पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुये महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया।

संगठन की सदस्य गीता सिंह व आशा सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किये। संगठन की सचिव साधना मिश्रा ने इस पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुये अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। विद्यालय की छात्राओं अमृता मिश्रा, आयुषी शर्मा, अपराजिता बाबू, दिव्यांशी, आरुषी वर्मा, स्तुति सिंह आदि ने गीत व नृत्य का मनमोहक प्रस्तुतिकरण किया। सभी ने एक दूसरे को मेहंदी लगाकर शुभकामनाएं दी। मिष्ठान वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य आलोक कुमार श्रीवास्तव ने सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान विद्यालय की भारती सिंह, पिंकी मिश्रा, भुती अस्थाना, सुप्रिया पांडेय, अनुपम, शुभांजलि सिंह, प्रियंका सिंह, आस्था त्रिवेदी, भावना सिंह, श्वेता त्रिवेदी, दीप्ती मिश्रा, अर्चना श्रीवास्तव, लक्की सक्सेना, अरती अवस्थी, शर्मिला शुक्ला आदि अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

प्रधानमंत्री का शुभकामना संदेश पत्र पाकर बच्चे खुश

फतेहपुर। नगर स्थित महर्षि विद्या मन्दिर, के 1200 विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में कैसे आत्मविश्वास बनाये रखे, इस पर स्ट्रेस मैनेजमेण्ट, हेल्थ और फिटनेस आदि विषयों पर प्रधानमंत्री के परीक्षा पे चर्चा 2023 कार्यक्रम में पंजीकरण कराया था। विगत दिनों इन परीक्षार्थियों के लिए माननीय प्रधानमंत्री कार्यालय से शुभकामना पत्र प्राप्त हुआ। जिसमें प्रधानमंत्री ने युवाओं से एक भव्य और समर्थ्य राष्ट्र के निर्माण का संकल्प लेने की बात कही है। विद्यार्थियों ने इससे प्रेरणा लेकर जीवन की हर परीक्षा में सफल होने का निश्चय भी दोहराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री का परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का यह छठवाँ संस्करण है। परीक्षार्थियों को इसे एक उत्सव की तरह लेना चाहिए। जिससे परीक्षा बोझ नही कैरियर और व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में अग्रसर एक कदम जैसे प्रतीत होती है।

Investiture Ceremony held at M.V.M. Naini

JEEVAN EXPRESS NEWS

PRAYAGRAJ: Investiture ceremony in Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj was held in a much tradition way on Wednesday. In which Head Boy, Head Girl, Sports Captain, Cultural Secretary, Captains and Vice-Captains have been selected.

The program started with the Guru Pooja in a much traditional way. The selected Head Boy, Head Girl, Sports Captain, Cultural Secretary, Captains and Vice-Captains took the pledge all together for the welfare of the school, maintaining discipline carrying out the extracurricular activities in a smooth way. The Principal, Mrs. Pooja Chandola put on the badge and the sash on every office bearer in order to honour them for their merits in this ceremony.

The Principal said in her speech that all the office-bearers should realise their responsibility in carrying out their work honestly in order to maintain the discipline of the school. The sports captain should arouse the interest of games in the mind and heart of the students with the feeling of healthy competition among themselves. The cultural secretary should inspire the students to participate in extra-curricular activities and also motivate them to perform well in academic field. In this way, the whole environment of the school can be changed for the betterment and move towards the path of progress and prosperity in order to develop the personality of every individual in this environment of the school.

Anurag Shukla was declared as the Head Boy and Jahnavi Maurya as the Head Girl of the school, Priyanshu Kushwaha and Gauri Mishra as cultural secretaries, Ashish Kumar Singh and Akshita Tiwari as Sports Captains, Priyanshu Tiwari and Pragati Pandey as Head Prefects. Adrash Jha and Khushi Shukla as Captain of Narayan House, Utkarsh Singh and Prerna Singh as Captain of Vashishtha House, Devanshu Singh and Ashi Shukla as Captain of Parashar House, Gauruv Singh and Astha Singh as Captain of Vyas House.

NEW TAMIZHAGAM VOICE
Email: thillaikural@gmail.com Daily English News Paper

Honorable governor interaction with the student of Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai

Governor R.N. Ravi visited Maharishi Vidya Mandir School in Tiruvannamalai and interacted with students of the school. The Governor has been honoured by the principal Mrs Anita Ram Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai. The Governor was very persuasive and gracious in his answers to the students questions.

His response was a guide to the student community and an inspiration. The students have also asked a questions regarding Shrimat Bhagavad Gita, agriculture, corruption free India, exam fear , stress and time management, tips to succeed in life advice on becoming a better citizen and politician. The Governor has responded the student's questions with wonderful responses. As per the guidance provided by his father Governor learned Shrimat Bhagavad Gita. He emphasized Shrimat Bhagavad Gita gives strength to fight, strength to work and strength to real set back.

For answering related to agriculture, he assured that India will progress in agriculture as a food supplier to the world in the future. When he responded for question related to corruption free India, he encouraged the young generation to be serious about not accepting or paying bribes for an Indian divide of corruption and also he advised that when an individual tries to pass the exam with steady schedule of study time and self control and deep concentration he can achieve success.

More over he encouraged the students to set a big goal in mind young age, i.e like a small seed to into a banyan tree. Then he added first, a person must try to participate in society with the knowledge and experience he has acquired from his family as well as a school before becoming an ideal citizen, that through this he would become a better leader.

So he responded in an enthusiastic way and the students are pleased with him in interaction session. He appreciated the students by giving them awards and encouraged them by presenting them Book titled "Exam warriors" written by Honorable Prime Minister Narendra Modi, the Governor presented a farewell address to students at the end of the ceremony and he initiated "Har ghar tiranga 2.0".

बच्चों में बचपन से ही प्रकृति संरक्षण के संस्कार डालने की दिशा में करें प्रयास

शहडोल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। बचपन से ही अच्छे संस्कार बच्चों को दिए जाएं तो आगे चलकर वह अपना जीवन और राष्ट्र का सुंदर भविष्य गढ़ सकते हैं। इसी उद्देश्य को लेकर शनिवार को महर्षि स्कूल के बच्चों ने प्राचार्य डा.भावना तिवारी और शिक्षकों के साथ पौधारोपण किया। इस दौरान बच्चों ने परिसर में लगे पेड़ों के साथ अपने फोटो खिंचवाकर उनके साथ लगाव का प्रकटीकरण किया। सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया प्रतियोगिता में चार राउंड रखे गए, जिसमें रैपिड फायर,ऑडियो राउंड, वीडियो विजुअल एवं बजर राउंड रहा।कक्षा एक से पांचवीं तक के बच्चों ने इसमें हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम के प्रतिभागी छात्रों को प्राचार्य डा. भावना तिवारी ने पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उत्साह वर्द्धन किया। कार्यक्रम का संचालन सुशीला ने एवं आभार मधु मिश्रा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के संचालन में रवीना पाण्डेय,प्रियंका सिंह एवं अस्मिता शुक्ला का सहयोग रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी मधुमिता सिंह एवं प्रतिभा पाण्डेय के साथ अभिलाषा राय का भी योगदान रहा।

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

सिटी भास्कर | शहडोल

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकण्डरी स्कूल कल्याणपुर में किया गया। इसमें कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कक्षा 1 एवं 2 से प्रथम स्थान समूह अ से यशस्वी दुबे, अद्विकधर दुबे, नक्ष गुप्ता को प्राप्त हुआ। द्वितीय स्थान समूह ब से अनिरूद्धधर दुबे, आरव यादव, अनंव श्रीवास्तव को मिला। तृतीय स्थान स समूह से आशुतोष विश्वकर्मा, हिमांशु सिंह, कल्पान्तिका तिवारी ने प्राप्त किया। कक्षा तीसरी से पांचवीं के प्रतिभागी टीमों में से प्रथम स्थान समूह स से अस्थिका तिवारी, अंशिका तिवारी एवं अंशराज को प्राप्त हुआ तथा द्वितीय स्थान समूह अ से ईशान शाह, उदिता विश्वकर्मा एवं मयंक राज ने वहीं तृतीय स्थान समूह ब से आशुतोष गौतम, प्रांजल गुप्ता एवं वैष्णवी अग्निहोत्री ने हासिल किया। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी छात्रों को विद्यालय की प्राचार्य डॉ. भावना तिवारी द्वारा पुरस्कार स्वरूप प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर छात्रों का उत्साह वर्द्धन किया। मंच संचालन शिक्षिका सुषीला दुबे एवं आभार मधु मिश्रा द्वारा किया गया। साथ ही हरियाली तीज पर शिक्षिकाओं द्वारा हरे परिधान धारण कर विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया।

दैनिक भास्कर Sun, 20 August 2023
https://epaper.bhaskarhindi.com/c/73244017

दैनिक भास्कर हिसार भास्कर 21-08-20

तीज उत्सव में रंगोली, मेहंदी स्पर्धा में बच्चों ने लिया बढ़-चढ़कर भाग

हिसार | महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकंडरी स्कूल गंगवा में शनिवार को तीज उत्सव मनाया गया। जिसमें बच्चों ने रंगोली, मेहंदी व पहेली आदि प्रतियोगिता करवाई गई। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल प्राचार्य उषा ठाकुर ने बच्चों को ऐसे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उत्साहित किया।

Just to remind your goodself

Dear Readers,

We are very pleased to release 171 edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi Organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15th of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi pujan or vastu pujan or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/ corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.
17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.

18. Offering Vedic solution to any social problem.

19. Performance of any special Anushthan or Yagyas.

20. Vedic celebration reports.

21. Excursion tour reports.

22. Corporate visit, corporate training etc.

23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.

24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.

25. Report on academic or commercial collaborations.

26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.

27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.

28. Report on activities of Maharishi Global Movement.

29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail cpr@mssmail.org as word document file or in a CD to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed ("Times New Roman" font for English and "Devnagri" or "Chanakya" font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site www.e-gyan.net.

With All the Best Wishes
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

V. R. Khare
For Editorial Board,
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

Copyright © 2023 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan
All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of ***Maharishi Ved Vigyan Prakashan.***
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, *Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh,* ***Phone:*** *+91 755 4087351*

महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान

(महर्षि विश्व शाँति ट्रस्ट की इकाई)

शिक्षक प्रशिक्षण आवेदन-प्रपत्र

प्रपत्र क्रमांक ..... दिनांक .....

1. पूरा नाम .....

2. पिता/पति का नाम .....

3. माता का नाम .....

4. स्थाई पता .....

.....

मोबाइल नं.: ..... व्हाट्सएप नं. ..... ई-मेल .....

5. वर्तमान पता .....

.....

आपात स्थिति में सम्पर्क के लिए मोबाइल नं.: .....

6. जन्म स्थान .....

जन्म तिथि ☐☐ माह ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐ जन्म समय घंटा ☐☐ मिनिट ☐☐ दिन ☐ रात्रि ☐

7. वर्तमान व्यवसाय .....

8. विवाहित/अविवाहित ..... जाति ..... धर्म .....

9. यज्ञोपवीत संस्कार हुआ है ☐ नहीं हुआ ☐

10. बैंक का नाम जहां खाता है ..... शाखा .....

तहसील/विकास खण्ड ..... जिला ..... प्रदेश .....

खाता संख्या ..... आई.एफ.एस.सी. कोड .....

11. आधार-कार्ड की संख्या (छायाप्रति संलग्न करें) .....

12. क्या आप भावातीत ध्यान, सिद्धि कार्यक्रम एवं योगिक उड़ान के अभ्यासकर्ता हैं? यदि हाँ तो सूचित कीजिये

भावातीत ध्यान सीखने की तिथि .....

ध्यान शिक्षक का नाम ..... स्थान .....

सिद्धि कार्यक्रम एवं योगिक फ्लाइंग सीखने की तिथि .....

13. शैक्षणिक योग्यता/उत्तीर्ण परीक्षा का विवरण

क्रमांक	परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण वर्ष	श्रेणी	परीक्षा के विषय	विद्यालय/विश्वविद्यालय
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

नोट: उत्तीर्ण परीक्षा की अंक सूची तथा प्रमाण-पत्र की छाया प्रति संलग्न करें।

14. कार्य अनुभव

क्रमांक	संस्था का नाम	पद	समय		कार्य क्षेत्र	कुल वेतन	प्राप्त वेतन
			से	तक			
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							

15. पारिवारिक सदस्य:

क्रमांक	सम्बन्ध	नाम	शैक्षणिक योग्यता	व्यवसाय	जन्म तिथि
1.	पिता श्री				
2.	माता श्री				
3.	भ्राता				
4.	भ्राता				
5.	बहिन				
6.	बहिन				
7.	पति/पत्नी				

16. क्या आपने महर्षि संस्थान में पहले कार्य किया है? यदि हाँ, तो विवरण दें-

क्रमांक	संस्था का नाम	पद	समय		विभाग प्रमुख का नाम	कुल वेतन	प्राप्त वेतन
			से	तक			
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							

17. क्या आपके कोई सम्बन्धी या मित्र किसी महर्षि संस्थान में कार्यरत हैं? यदि हाँ, तो सूचित करें:

नाम ..... पद ..... कार्य करने का वर्ष .....

वेतन ..... सम्बन्ध .....

घोषणा

मैंने महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान सम्बन्धी सिद्धांतों और नियमावली को पढ़कर भली-भाँति समझ लिया है। मेरी इन सिद्धांतों में पूर्ण श्रद्धा व विश्वास है तथा मैं संस्थान के समस्त नियमों से पूर्ण रूपेण सहमत हूँ। मेरे द्वारा किसी भी नियम का उल्लंघन किये जाने पर संस्थान के प्रशासन द्वारा लिया गया अनुशासनात्मक निर्णय मुझे स्वीकार होगा।

दिनांक ....

स्थान ..... **आवेदक का हस्ताक्षर**

साक्षी का नाम ..... हस्ताक्षर .....

पता .....

मोबाइल ..... ईमेल .....

कार्यालयीन उपयोगार्थ

निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न हैं:

1. पूर्व परीक्षा की अंक सूची : छाया प्रति ☐
2. पूर्व परीक्षा का प्रमाण पत्र : छाया प्रति ☐
3. आधार कार्ड : छाया प्रति ☐
4. पासबुक का प्रथम पृष्ठ : छाया प्रति ☐

नगर/विकास खण्ड/तहसील का नाम ..... प्रान्तः .....

नाम व हस्ताक्षरः .....

.....

क्षेत्र प्रभारी

---

1. साक्षात्कार करने वाले व्यक्ति का पूरा नाम : .....
2. पूरा पता : .....

   .....

   मोबाइल..... व्हाट्सअप .....
3. ईमेल का पता : .....
4. पद : .....

हस्ताक्षर .....

Maharishi Aadhyatmik Janjagaran Abhiyan

(Unit of Maharishi World Peace Trust)

Application Form for Teacher Training

Application Form No. ..... Date .....

1. Full name : .....
2. Father's/husband's name: .....
3. Mother's name : .....
4. Permanent address : .....

.....

.....

Mobile No. ..... WhatsApp No. .....

E-mail .....

5. Current address : .....

.....

Mobile No. in case of emergency : .....

6. Place of birth : .....

Date of birth ☐☐ Month ☐☐ Year ☐☐☐☐

Birth time Hour ☐☐ Minutes ☐☐ Day ☐ Night ☐

7. Current occupation : .....

8. Married/unmarried : ..... Caste : ..... Religion : .....

9. Whether Yagyopavit Sanskar has taken place Yes ☐ No ☐

10. Name of bank where applicant has account : .....

Branch ..... Tehsil/Block ..... District ..... State .....

Account Number ..... IFSC .....

11 . Aadhaar Card Number (Photocopy to be enclosed) .....

12. Are you a practitioner of Transcendental Meditation, Siddhi program and Yogic Flying? If yes, please give the follwing details -

Date of learning Transcendental Meditation : ..... / ..... /.....

Name of the TM teacher ..... Place.....

Date of learning Siddhi program and Yogic Flying ..... / ..... / .....

Name of Siddhi teacher ..... Place .....

13. Details of educational qualification/examination passed

S. No.	Name of Examination	Year of Passing	Division	Subjects	Board/University
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

Note: Please attach photocopy of mark sheet and certificate of the passed examination(s).

14. Work Experience

S. No.	Name of Organisation	Designation	Time		Working area	Total Salary	Salary Received
			From	To			
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							

15. Family members:

S. No.	Relationship	Name	Educational Qualification	Occupation	Date of Birth
1.	Father Shri				
2.	Mata Smt.				
3.	Brothers				
4.	Brothers				
5.	Sisters				
6.	Sisters				
7.	Spouse				

16. Have you worked in Maharishi Sansthan before? If yes, give details

S. No.	Name of Organisation	Designation	Time		Name of Department's Head	Total Salary	Salary Received
			From	To			
1.							
2.							
3.							
4.							
5.							

17. Are any of your relatives or friends working in any Maharishi Institution? If yes, please mention the details :-

Name ..... Post : .....

Year of Joining ..... Pay ..... Relation .....

Declaration

I have read and understood the rules and regulations related to Maharishi Adhyatmik Janjagaran Abhiyan. I have full faith and belief in these rules and regulations and I completely agree with all of them. In case of violation of these rules, I will accept the disciplinary decision taken by the administration of the Institution.

Date : ..... /..... / 20..... .....

Place : ..... (Signature of Applicant)

Name of witness ..... Signature .....

Address .....

Mobile ..... E-mail .....

For office use

The following documents are attached:

1 Mark sheet of examination : Photocopy ☐

2 Examination certificate : Photocopy ☐

3 Aadhaar Card : Photocopy ☐

4 First page of Bank passbook: Photocopy ☐

Name of city/development block/tehsil ..... Province .....

Name and Signature .....

.....

(Office In-charge)

1. Name of the person conducting the interview : .....

2. Full address : .....

.....

Mobile No. ..... WhatsApp No. .....

3. E-mail : .....

4. Designation : .....

.....

Signature